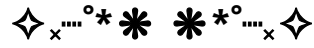




श्री रुद्राष्टकम् (Shri Rudrashtakam)

In Bangla



रुद्राष्टकम्

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम् ।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं
चिदाकाशमाकाशवासं भजेहहम् ॥ 1 ॥

निराकारमोङ्कारमूलं तुरीयं
गिराञ्जानगोतीतमीशं गिरीशम् ।
करालं महाकालकालं कृपालुं
गुणागारसंसारपारं नतोहहम् ॥ 2 ॥

तुषाराद्रिसङ्काशगौरं गभीरं
मनोभूतकोटिप्रभासी शरीरम् ।
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगङ्गा
लसद्दालवालेन्दु कण्ठे भुजङ्गम् ॥ 3 ॥

चलत्कुण्डलं शुभ्रनेत्रं विशालं
प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालुम् ।
मृगाधीशचर्मांबरं मुण्डमालं
प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि ॥ 4 ॥

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं
अखण्डं भजे भानुकोटिप्रकाशम् ।
त्रयीशूलनिर्मूलनं शूलपाणिं
भजेहहं भवानीपतिं भावगम्यम् ॥ 5 ॥

कलातीतकल्याणकल्लांतकारी
सदासज्जनानंददाता पुरारी ।
चिदानंदसंदोहमोहापहारी
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥ 6 ॥

न यावदुमानाथपादारविंदं
भजंतीह लोके परे वा नराणाम् ।
न तावत्सुखं शांति संतापनाशं
प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासम् ॥ 7 ॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजां
नतोहहं सदा सर्वदा देव तुभ्यम् ।
जरान्मदुःखौघतातप्यमानं
प्रभो पाहि शापान्नमामीश शंभो ॥ 8 ॥

रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतुष्टये ।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शंभुः प्रसीदति ॥ 9 ॥

॥ इति श्रीरामचरितमानसे उत्तरकांडे
श्रीगोस्वामितुलसीदासकृतं
श्रीरुद्राष्टकं संपूर्णम् ॥

✧x.....°** **°.....x✧